वार्तालाप नं. 432, डेंटल बिल्ला (चंडीगढ़), ता.– 4 नवम्बर 2007
Disc.CD No.432, dated 4th November, 2007 at Dental Billa (Chandigarh)

समय–20.19 से 21.25
जिज्ञासु– बाबा, ये अर्धनारीश्वर में जो नारी का प्रतीक कौन है? छोटी मम्मा?
बाबा– नारी का पार्ट किसने बजाया? नारी का पार्ट किसने बजाया?
जिज्ञासु– नारी का पार्ट ब्रह्मा बाबा ने।
बाबा– ब्रह्मा बाबा ने बजाया। तो ब्रह्मा बाबा की सोल प्रवेश करके पार्ट बजाती है, पालना दे रही हैं। बाप का पार्ट अपना है, तो अर्धनारीश्वर हो गया ना।
जिज्ञासु– बाबा एक कैसट में वार्तालाप में सुना था कि जो ये अर्धनारीश्वर है, वो सीता वाली आत्मा हैं।
बाबा– तो तुम सब नम्बरवार सीतायें हो। तुम सब सीतायें हो। राम एक हैं। तो एक कौन हुआ और सबमें अव्वल नम्बर कौन हुआ? तुम सब जो कहा है तो उन 'तुम सब में' अव्वल नम्बर सीता कौन हुआ? (किसी ने कहा– ब्रह्मा।) बस। जो भी आत्मायें हैं वो सब सीता का पार्ट। और जो बाप का प्रैक्टिकल पार्ट है वो राम का पार्ट है।

Time: 20.19 to 21.25
Student: Baba, who is the symbol of woman in *Ardhanareeshwar* (half male and half female depicted by one half of Shankar and another half of Parvati in the path of devotion)? Is it the junior mother (*choti mamma*)?
Baba: Who played the part of a woman? Who played the part of a woman?
Student: Brahma Baba played the part of a woman.
Baba: Brahma Baba played the part. So, Brahma Baba's soul enters (in Shankar) and plays the part and is giving sustenance. The Father has his own part to play; so, it is *Ardhanareeshwar*, isn't it?
Student: Baba, I had heard in one of the discussion cassettes that the (female part in the) *Ardhanareeshwar* refers to the soul of Sita.
Baba: So, you all are number wise Sitas. You all are Sitas. Ram is one. So, who is the one and who is number one among all of them? It has been said 'you all'; so, in that 'you all' who is the number one Sita? (Someone said – Brahma.) That is all. All the souls play the part of Sitas. And the Father's practical part is Ram's part.

समय–21.26 से 22.18
जिज्ञासु– बाबा जैसे बापदादा बॅकबोन बापदादा साथ है तो बॅकबोन बापदादा में राम बाप शिवबाप होंगे?
बाबा– राम बाप अपने में कुछ नहीं है जब तक शिव बाप ना हो। शिव बाप है तो राम बाप हैं। शिव बाप नहीं है तो राम बाप को भी कोई पहचान नहीं सकता। प्रत्यक्ष हो ही नहीं सकता।
जिज्ञासु– अच्छा राम बाप और ब्रह्मा का गायन नहीं है बॅकबोन बापदादा के रूप में। राम बाप और शिव बाप का है?
बाबा– जब हम बाप कहते हैं तो बुद्धि जानी चाहिए – जिसका कोई बाप नहीं। प्रजापिता का भी बाप है; लेकिन शिव का कोई, शिव का कोई बाप नहीं।

Time: 21.26-22.18
Student: Baba, for example, (it has been said in an *Avyakta Vani* that) 'backbone Bapdada is with you', so, the father Ram and the Father Shiv must be included in backbone Bapdada.

Baba: The father Ram does not hold any value until the Father Shiv is present (in him). If there is the Father Shiv, there is the father Ram. If the Father Shiv is not present (in him) nobody can recognize the father Ram either. He cannot be revealed at all.
Student: OK, the father Ram and Brahma are not praised as backbone Bapdada. Is it for the father Ram and the Father Shiv?
Baba: When we say '*Baap*' (the Father), the intellect should think of the one who does not have any father. Prajapita has a Father too, but Shiv does not have any Father.

समय–22.30 से 24.30 तक
जिज्ञासु– बाबा बेहद के ड्रामा में बीजरूप जो आत्मायें हैं वह भूतप्रेत तो कहीं बनती तो नहीं होगी?
बाबा – जो पाप कर्म करेंगी तो भूतप्रेत नहीं बनेंगी? जो दूसरे धर्मवाले हैं वो देवताओ ंको मानते हैं या सूक्ष्म शरीरधारियों को मानते हैं? वो सूक्ष्म शरीरधारियों को मानते हैं। वो सूक्ष्म शरीरधारियों की शक्ति को ही बहुत बड़ा मानते हैं। जैसे अल्लाह अव्वलदीन की कहानी दिखायी हैं। तो उसमें जिन्नात है, वही सब कुछ माना गया है। जो आत्मायें ज्यादा पाप करने वाली है, ज्ञान को पूरा नहीं समझा है इसलिए पाप करती हैं और जिन्होंने ज्ञान को पूरा ही समझ लिया, सूर्यवंशी बच्चे हैं वो पाप कर नहीं सकते; क्योंकि बाप को पूरा पहचानते हैं। तो सूक्ष्म शरीरधारी क्यों बनेंगे? सम्पूर्ण बनेंगे या सूक्ष्मशरीर के बंधन में रहेंगे? सम्पूर्ण बनेंगे।
Time: 22.30-24.30
Student: Baba, do the seed-form souls ever become ghosts and spirits in the unlimited drama?
Baba: Will those who commit sins not become ghosts and spirits? Do those who belong to the other religions believe in deities or in subtle bodied souls? They believe in subtle bodied souls. They consider the power of the subtle bodied souls alone to be very great. For example, a story of *Allah Avvaldeen* has been shown. So, *Jinnaat* alone has been considered to be everything in that. The souls who commit more sins, they do so because they have not understood the knowledge completely and those who have understood the knowledge completely are *Suryavanshi* (those belonging to the Sun dynasty) children; they cannot commit sins because they recognize the Father completely. So, why will they assume a subtle body? Will they become complete or will they remain in the bondage of the subtle body? They will become complete.

जिज्ञासु– बाबा मैं बीजरूप आत्मा को मैने कहा कि....
बाबा– बीजरूप आत्मायें भी अलग–अलग प्रकार की हैं। कोई इस्लाम धर्म के बीज है, कोई चंद्रवंश के बीज हैं। कोई क्रिश्चियन धर्म के बीज हैं। कोई सूर्यवंश के बीज हैं। तो और–और धर्मों के जो बीज है उनके उपर छिलका और–और धर्मों का चढ़ेगा कि सूर्यवंशी का चढ़ेगा? जरूर और–2 धर्मों का छिलका चढ़ेगा। तो पहले सम्पन्न बनेंगे या बाद में सम्पन्न बनेंगे? बाद में सम्पन्न बनेंगे।
जिज्ञासु– बाबा मैंने संगम की बात नहीं की। मैंने सारे एक बेहद के ड्रामा में जैसे सतयुग से स्टार्ट होता है जो कलियुग तक चलता है उसमें भूतप्रेत कहीं बनते है?
बाबा– बताया ना! जो और– और धर्मों के बीज है, दुसरे–दुसरे धर्म के बीज है, जब और धर्मों से प्रभावित हो जाते हैं; तो प्रभावित होना माना उनकी प्रजा बन जाना। तब ही वो पापकर्म करेंगे। उससे पहले नहीं।
Student – Baba, I was talking about the seed-form souls that....
Baba: The seed-form souls are also of different kinds. Some are seeds of Islam, some are seeds of the Moon Dynasty *(Chandravansh)*. Some are seeds of the Christian religion. Some

are seeds of the Sun Dynasty. So, will the seeds of other religions be covered by the peels of other religions or of the Sun Dynasty? Certainly they will be covered by the peels of other religions. So, will they become perfect first or will they become perfect later on? They will become perfect later on.
Student: Baba, I didn't talk about the Confluence Age. I talked about the entire unlimited drama; for example it starts since the Golden Age and continues up to the Iron Age; do they ever become ghosts and spirits in that period?
Baba: You were told, weren't you? When the seeds of the other religions, the seeds of the other religions, become influenced by the other religions; so becoming influenced means becoming their subjects. Only then will they commit sins. Not before that.

समय– 38.51 से 39.43
जिज्ञासु– बाबा जैसे हर महीने गीतापाठशाला में संगठन करते हैं और कोई नयी माता आ जाती है या कोई भाई आ जाता है तो उसके साईन करवाने चाहिए क्या?
बाबा– कोई भी आये, साईन तो सभी के लेने चाहिए एन्ट्री रजिस्टर में। नया आये, पुराना आये। कोई नया आये, उल्टा–पल्टा काम करके चला जायें; कोई पुराना आये, उसके अंदर माया आ जायें और उल्टा–पल्टा काम करके चला जायें, पकड़ोगे किसको? बाबा ने जो डायरेक्शन दिये हुए हैं उन डायरेक्शन को स्ट्रिक्ट होकर फॉलो करना चाहिए। कम से कम नाम पता जरूर लिखवाओ, जो भी नया आये। (किसीने कहा– बाबा, कई ऐसे लिखते हुए डर भी जाते हैं।) अंदर चोर भरा होगा तो डरेंगे।
Time: 38.51-39.43
Student: Baba, for example, we organize 'gathering' *(sangathan)* every month at the *Gitapathshala* and if a new mother comes or if a (new) brother comes, then should we take their sign (in the attendance register)?
Baba: Whoever comes, you should certainly take everybody's signature in the entry register. Whether a new one comes or an old one comes; if a new one comes and does something wrong and goes away; if an old student comes and if *Maya* enters in him and he does something wrong and goes away, whom will you catch? You should strictly follow the directions that Baba has given. Whichever new person comes, you should at least make him/her write the name and address. (Someone said – Baba, many such persons feel afraid to write it.) If there is any ill-feeling in their mind they will fear.

समय–42.57 से 43.14
जिज्ञासु– बाबा सूक्ष्म शरीरधारी आत्मायें बाप से दृष्टि लेती है?
बाबा– तो उनका उद्धार कैसे होगा? उनकी सद्‌गति नहीं होती है क्या? जब उनकी सद्‌गति होती है तो दृष्टि भी ले लेंगे।
Time: 42.57-43.14
Student: Baba, do the subtle bodied souls take *drishti* from the Father?
Baba: Otherwise, how will they be uplifted? Do they not achieve true salvation? When they [have to] achieve true salvation, they will also take *drishti* (from the Father).

समय– 43.15 से 43.53 तक
जिज्ञासु– बाबा कई बार भूतप्रेत के बारे में बोलते है लोग, आवाज आयी मेरे को आवाज सुनाई दी।
बाबा– वो आवाज होना और आंखो से दिखायी पड़ना, ये उन्हीं को दिखायी पड़ता है जिनके ऊपर वो सवार हो सकते हैं।
जिज्ञासु– बाबा, मतलब सूक्ष्म शरीरधारी आवाज तो नहीं कर सकता?

बाबा– वो सुनायी पड़ता है ऐसा; लेकिन आपको, दूसरों को सुनाई नहीं पड़ेगा। तो कोई प्रभाव से प्रभावित इतना ज्यादा हो जाता है कि भय का भूत खड़ा हो जाता हैं। ऐसे ही आवाज भी उनको सुनायी पड़ती हैं। (किसीने कहा– बाबा, कमजोरी के कारण?) प्रभावित होना कमजोरी नहीं है?

Time: 43.15-43.53

Student: Baba, many times people say about the ghosts and spirits, 'I heard a voice, I heard a voice.'

Baba: As far as emergence of sounds and seeing (ghosts) through the eyes is concerned, only those people see them on whom they (i.e. ghosts) can ride (i.e. enter).

Student: Baba, I mean that the subtle bodied souls cannot create sounds?

Baba: They hear those sounds, but you or others will not be able to hear it. So, some become influenced by that to such a great extent that the ghost of fear emerges. In the same way, they also hear voices (that emerges due to fear). (Someone said – Baba, is it due to weakness?) Is it not a weakness to be influenced?

समय– 44.00 से 45.45 तक

जिज्ञासु– बाबा जो बी.के में मुरली चल रही है, कई बार सुना गया है, उसमें बोलते है बापदादा ये कहते हैं। बाप तो उधर जाता ही नहीं है, तो बापदादा शब्द क्यों आता है?

बाबा– वो मनुष्य कहते हैं या मुरली कहती है?

जिज्ञासु– मुरली में ही आया ना कि बापदादा कहते हैं।

बाबा– अव्यक्त वाणी है ना, मुरली थोड़े ही है। अव्यक्तवाणी को मुरली थोड़े ही कहेंगे। जो अव्यक्त वाणी है, जब ब्रह्मा की सोल गुल्जार दादी में प्रवेश करती है, तो वो अव्यक्त आत्मा कार्य कर रही है; गुल्जार दादी की आत्मा जो है वह गुम हो जाती है या प्रत्यक्ष रूप में रहती है? गुल्जार, जिसमें प्रवेश होता है वो शरीरधारी ही गुम हो जाता हैं, अव्यक्त हो जाता है; इसलिए वो अव्यक्त वाणी हैं। ब्रह्मा बाबा में जब शिव प्रवेश करते थे तो ब्रह्मा की सोल अव्यक्त थोड़े ही हो जाती थी, इसलिए वो व्यक्त वाणी हैं। साकार वाणी हैं।

Time: 44.00-45.45

Student: Baba, in the *Murlis* that are being narrated to the BKs, it has often been heard, it is mentioned in those *Murlis* , 'Bapdada says so'; the Father does not go there at all, then why is the word 'Bapdada' used?

Baba: Do those human beings say so or does the *Murli* say so?

Student: It has been mentioned in the *Murlis* only , 'Bapdada says', hasn't it?

Baba: It is an *Avyakta Vani*, isn't it? It is not a *Murli. Avyakta Vani* will not be called *Murli*. In case of an *Avyakta Vani*, when the soul of Brahma enters in Gulzar *Dadi*, that *avyakt* (unmanifest) soul is working; does the soul of Gulzar *Dadi* vanish or does it remain in the manifest form? [*Dadi*] *Gulzar*, in whom he enters, (the soul of) that bodily being vanishes, becomes *avyakt*; that is why it is an *Avyakt Vani*. When Shiv used to enter in Brahma Baba, Brahma's soul did not use to become *avyakt*; that is why it is a *vyakt vani* (manifest versions). It is a *sakar vani* (corporeal versions).

जिज्ञासु– ब्रह्मा बाबा बोलते हैं उसमें, तो ब्रह्मा बाबा बापदादा क्यों बोलते हैं?

बाबा– हें? बापदादा इसलिए बोलते हैं कि जब ब्रह्मा की प्रवेशता होती है, उस समय उनके सामने पूरा मज्मा बैठा हुआ होता हैं। जिस समय मज्मा बैठा हुआ होता है तो उस आत्मा को अपने उपर विशेष अटेन्शन रहता है, विशेष बाप की याद में रहती है। जितना तुम मुझे याद करते हो उतना मैं तुम्हारे साथ हूँ। इसलिए बापदादा कहा जाता हैं। (किसी ने कहा– बाबा कई बार बापदादा के बारे में ही ब्रह्मा बाबा बताते हैं।) हां, जिस बापदादा के बारे में बताते

हैं वो प्रैक्टिकल में पार्ट बजाने वाला हैं। वो प्रैक्टिकल में, सूक्ष्म स्टेज में रहनेवाला बापदादा हैं।

Student: Brahma Baba speaks in it *(Avyakt Vani)*; so, why does Brahma Baba use the word Bapdada?

Baba: Hum? It is said Bapdada because when Brahma enters, at that time the entire crowd is sitting in front of him. When the crowd is sitting, that soul pays special attention to itself. It remains in the special remembrance of the Father. (It is said in the *murli*) The more you remember Me, the more I am with you. This is why it is said Bapdada. (Someone said - Baba, many times Brahma Baba tells about Bapdada only.) Yes, the Bapdada that he speaks about is the one who plays a practical part. He, who stays in a subtle stage (of thinking and churning), is Bapdada in practical.

समय–45.47 से 46.53

जिज्ञासु– बाबा ये कन्याओं को जैसे हम सम्बोधन में बहन या बूढ़ों को मातायें कहते हैं, जब बड़ी मम्मी या छोटी मम्मी आयेगी, उनको सम्बोधन में क्या कहा जायेगा?

बाबा– बड़ी मां, छोटी मां।

जिज्ञासु– उनको सम्बोधन में हम क्या बोलेंगे?

बाबा– अरे, परिवार में नहीं होती है बडी मां, छोटी मां? दादी अम्मा नहीं होती है? जब छोटा–बड़ा बाप है, छोटा बाप, बड़ा बाप। बाप भी तो दो हो गये। छोटा बाबा, बड़ा बाबा। बाबा शरीरधारी को कहा जाता है, तो छोटा बाबा कौन हुआ, बड़ा बाबा कौन हुआ? अरे! छोटा बाबा हुआ ब्रह्मा बाबा और बड़ा बाबा हुआ शिवबाबा। (किसीने कहा – बाबा एक बात मुरली में बोली है कि बाबा कहा जाता है तो नाम जरूर पड़ेगा।) हां। बाबा होगा तो कोई शरीरधारी में ही प्रवेश करेगा ना! साकार में प्रवेश करेगा माना साकार नामधारी हैं।

Time: 45.47-46.53

Student: Baba, for example we address virgins as sisters or old ones as mothers. When the senior mother or the junior mother comes, how will we address her?

Baba: *Badi ma* (senior mother), *choti ma* (junior mother).

Student: How will we address them?

Baba: Arey, are there not a senior mother and a junior mother in a family? Is there not a grandmother? When there is a junior and a senior father, the junior father and the senior father; fathers are also two. Junior Baba and senior Baba. The bodily being is called Baba. So, who is junior Baba and who is senior Baba? Arey, Brahma Baba is the junior Baba and Shivbaba is the senior Baba. (Someone said – Baba, it has been said in *Murli*, when we utter the word Baba, there will certainly be a name.) Yes. When there is a Baba, He (Shiv) will definitely enter a bodily being, will He not? He will enter a corporeal one, it means the corporeal person has a name.

……………………………………………………………..………………………………

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.